भाग III

हरियाणा सरकार

जेल विभाग

अधिसूचना

दिनांक 18 दिसम्बर, 2007

संख्या का० आ० 121/ह० अ० 28/1988/धा० 10/2007.—हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम 28), की धारा 3 तथा 4 के साथ पठित धारा 10 की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, बन्दियों की अस्थाई रिहाई को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ।

1\. (1) ये नियम हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) नियम, 2007, कहे जा सकते हैं।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

परिभाषाएं।

2\. इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) ''अधिनियम'' से अभिप्राय है, हरियाणा सदाचारी बंदी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम 28) ;

(ख) ''महानिदेशक'' से अभिप्राय है, महानिदेशक कारागार, हरियाणा ;

(ग) ''प्ररूप'' से अभिप्राय है, इन नियमों से संलग्न प्ररूप ;

(घ) ''पैरोल'' से अभिप्राय है, कैदी की अस्थाई रिहाई ;

(ङ) ''रिहाई प्राधिकारी'' अधिकारी से अभिप्राय है, राज्य सरकार या ऐसा अन्य प्राधिकारी जिसे अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (4) के अधीन राज्य सरकार की शक्तियां प्रत्यायोजित हों ;

(च) ''धारा'' से अभिप्राय है, अधिनियम की धारा।

अस्थाई रिहाई के लिए प्रक्रिया। धारा 3, 4, 10(1), 10(2), 10(2)(ख), 10(2)(घ) तथा 10 (2)(ङ)

3\. (1) अधिनियम की धारा 3 या 4 के अधीन अस्थाई रिहाई चाहने का इच्छुक बन्दी अधीक्षक जेल को प्ररूप क-1 या प्ररूप क-2, जैसी भी स्थिति हो, आवेदन करेगा। बन्दी के परिवार का व्यस्क सदस्य भी ऐसा आवेदन कर सकता है।

[(2) अधीक्षक जेल आवेदन को अपनी रिपोर्ट सहित जिलाधीश को भेजेगा जो मामले को अपनी सिफारिशों सहित महानिदेशक को पैरोल या अन्यथा प्रदान करने के लिए भेजेगा। रिहाई प्राधिकारी प्ररूप ख में, उसमें,

(i) रिहाई की अवधि

(ii) स्थान या स्थानों जिन में बन्दी को जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है तथा

(iii) प्रतिभूति पत्र की राशि

विनिर्दिष्ट करते हुए बन्दी की अस्थाई रिहाई का आदेश करते हुए वारन्ट सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित तथा मोहर सहित अधीक्षक जेल को जारी कर सकता है।

पात्रता। धारा 10 (2)(घ)

4. (1) बंदी केवल तब पैरोल के लिए आवेदन करने का हकदार जब उसने दोषसिद्धि के बाद अपनी कारावास का एक वर्ष पूरा कर लिया हो तथा उक्त अधिनियम के अधीन अपनी प्रथम वार्षिक सदाचारी माफी अर्जित कर ली हो।

(2) बंदी जिसे दोषसिद्धि किया गया है तथा चार वर्ष से कम के कारावास के लिए सजा हुई हो, पैरोल के लिए पात्र नहीं होगा।

अपात्रता। धारा 10 (2)(घ) तथा 10 (2)(छ)

5. उस बंदी को पैरोल/फर्लो प्रदान नहीं की जाएगी जिसे मृत्युदण्ड की सजा दी गई है।

विस्तार। धारा 10(2)(घ)

6. अधिनियम में यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी मामले में पैरोल/फर्लो बढ़ाई नहीं जाएगी।

अन्य राज्य का कैदी। धारा 10(2)(घ)

7. (क) हरियाणा राज्य से भिन्न राज्य का कैदी जो पारस्परिक आधार पर या अन्यथा हरियाणा की जेल में सजा काट रहा है का पैरोल/फर्लो का मामला अधीक्षक जेल द्वारा चलाया जाएगा तथा उस राज्य के महानिदेशक कारागार को जहां से उसे दोषसिद्धि किया गया था उनके पैरोल/फर्लो अधिनियम/नियमों के अनुसार विचारण/स्वीकृति/निपटान के लिए भेजेगा।

(ख) ऐसे कैदी के मामले में जो हरियाणा राज्य का कैदी है तथा हरियाणा से भिन्न किसी अन्य राज्य का भी कैदी है तथा हरियाणा की जेल में परिरुद्ध है, उस का पैरोल/फर्लो का मामला राज्य जहां से वह घोर गम्भीर/जघन्य अपराध के लिए दोषसिद्धि किया गया है तथा सजा दी गई है के महानिदेशक कारागार/सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ग) उस कैदी का पैरोल/फर्लो मामला जो हरियाणा राज्य से भिन्न अन्य राज्य का निवासी है किन्तु हरियाणा राज्य का कैदी है, उस कैदी का पैरोल/फर्लो मामला अधीक्षक जेल द्वारा चलाया जाएगा तथा महानिदेशक को सम्बद्ध जिलाधीश को प्रति भेजते हुए स्वीकृति के लिए भेजा जायेगा, जहां कैदी उसकी रिपोर्ट/सिफारिश करने के लिए हरियाणा राज्य से भिन्न पैरोल/फर्लो लेना चाहता है।

पर्याप्त कारण। धारा3(1)(घ) तथा 10(2)(घ)

8. धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन निम्नलिखित "पर्याप्त कारणों" में से किसी कारण पर विचार किया जा सकता है, अर्थात् :—

(i) कैदी के आश्रितों का विद्यालय/महाविद्यालय/व्यवसायिक संस्थानों में दाखिले हेतु;

(ii) कैदी की पत्नी की चिकित्सा अवधि के आधार पर प्रसूति हेतु;

(iii) कैदी द्वारा स्वामित्वाधीन मकान की मरम्मत/नया मकान बनवाने हेतु। मकान मरम्मत हेतु पैरोल तीन वर्ष में केवल एक बार प्रदान की जाएगी : तथा

(iv) बन्दी के भाई के पुत्र या पुत्री की शादी में समारोह आयोजित करने हेतु यदि उसका भाई जीवित नहीं है।

9. कैदी को पैरोल, जिसे अधीक्षक जेल द्वारा जेल दण्ड दिया गया है, निम्नलिखित रीति में प्रदान की जाएगी :— जेल दण्ड के परिणाम। धारा 10(2)(घ) तथा 10(2)(छ)

(i) कैदी जिसको पंजाब जेल मैनुअल के पैरा 630 में यथा परिभाषित लघु जेल दण्ड दिया गया है, उसका पैरोल मामला दण्ड की तिथि से छह मास के पश्चात् चलाया जायेगा।

(ii) कैदी जिसको पंजाब जेल मैनुअल के पैरा 630 में यथा परिभाषित बड़ा दण्ड दिया गया है, उसका पैरोल मामला दण्ड की तिथि से एक वर्ष के पश्चात् चलाया जायेगा।

10. कैदी, जो प्रदान की गई पैरोल/फर्लो लेने के बाद देय तिथि तथा समय पर जेल में वापस नहीं आता है तो उसकी आगे की पैरोल/फर्लो पर निम्नानुसार विचार किया जाएगा :— ज्यादा ठहराव के परिणाम। धारा 10(2)(घ)

(i) यदि कैदी उसको दी गई पैरोल/फर्लो से पन्द्रह दिन से अधिक ठहरता है, तो उसका पैरोल/फर्लो का मामला अधीक्षक जेल द्वारा उसकी वापसी/ गिरफ्तारी की तिथि से एक वर्ष से पहले नहीं विचारा जाएगा ;

(ii) यदि कैदी उसको दी गई पैरोल/फर्लो से तीस दिन या अधिक ठहरता है, तो उसका पैरोल/फर्लो का मामला अधीक्षक जेल द्वारा उसकी वापसी /गिरफ्तारी की तिथि से दो वर्ष से पहले नहीं विचारा जाएगा।

11. (1) (क) रिहाई वारन्ट की प्राप्ति पर अधीक्षक जेल सम्बद्ध बन्दी तथा बन्दी के परिवार के ऐसे सदस्य जो सुरक्षित बन्दी रिहाई के लिए क्रमशः प्ररूप-ग तथा घ में व्यक्तिगत बंदपत्र तथा प्रतिभूति बन्द पत्र के निष्पादन के लिए व्यवस्था करने हेतु उसकी ओर से विनिर्दिष्ट कर सकता है को सूचित करेगा। रिहाई वारन्ट की एक प्रति अधीक्षक जेल द्वारा जिलाधीश को भी भेजी जाएगी। बंद पत्र। धारा 10(2)(क) तथा 10(2)(ख)

(ख) अधीक्षक जेल तुरंत पुलिस स्टेशन के कार्यभारी अधिकारी जिसकी अधिकारिता के भीतर बन्दियों द्वारा जाने वाला स्थान स्थित है या स्थित हैं को प्ररुप-ङ में वारन्ट तथा रिहाई प्रमाण-पत्र की प्रति भी भेजेगा। पुलिस स्टेशन का कार्यभारी अधिकारी बन्दियों के आचरण तथा गतिविधियों पर भी ध्यान रखेगा।

(2) (क) हत्या, बलात्कार, बलात्कार तथा हत्या, दहेज के लिए हत्या, डकैती तथा स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का 61) के अधीन या किसी अन्य जघन्य अपराध के कैदियों के मामलों में प्रतिभूति बन्द-पत्र इत्यादि स्वीकार करने वाले रिहाई प्राधिकारी के विवेकानुसार एक लाख रुपए से लेकर दो लाख रुपए तक की प्रतिभू होगी।

(ख) अन्य मामलों में प्रतिभूति बंदपत्र इत्यादि स्वीकार करने वाले रिहाई प्राधिकारी के विवेकानुसार 20,000/-रुपए से लेकर एक लाख रुपए तक की प्रतिभू होगी।

(3) धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन कैदी को या तो धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) या धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन केवल एक बार के लिए पैरोल दी जाएगी तथा न कि यथा उपरोक्त नियम 8 के अधीन यथा उपबन्धित के सिवाय कलैण्डर वर्ष के दौरान दोनों के लिए अलग-अलग दी जाएगी।

प्ररुप क-1

[देखिए नियम-3 (1)]

(बन्दी या उसके परिवार के किसी व्यस्क सदस्य को बिना किसी प्रभार के सप्लाई करना)

बन्दी द्वारा हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988 (1988 का 28), की धारा 3 के अधीन अस्थाई रिहाई (पैरोल) के लिए जेल अधीक्षक को आवेदन।

(बन्दी या उसके परिवार के व्यस्क सदस्य द्वारा भरा जाना)

केन्द्रीय जेल ------------------------

जिला जेल ------------------------

1. बन्दी का नाम तथा संख्या
2. पिता का नाम
3. जाति
4. निवास स्थान गांव/मोहल्ला या नगर थाना जिला
5. रिहाई के लिए कारण

(आवेदक के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान)

बन्दी द्वारा घोषणा

मैं इसके द्वारा घोषित करता हूं कि मैं हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988, की धारा 3 के अधीन अस्थाई (पैरोल) के रूप में रिहा होने के लिए प्रार्थना करता हूं, तथा इस प्रकार रिहा हो जाने पर मैं मेरी रिहाई की शर्तों का सद्भावना से पालन करूंगा।

दिनांक—————— (आवेदक के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान)

(जेल अधीक्षक द्वारा भरा जाना)

आकस्मिक अभयस्त

पहली दोष सिद्धियां, यदि कोई हो—

1. बन्दी का नाम तथा संख्या
2. आयु वर्ष अपराध
3. सजा देने वाला न्यायालय

4. सजा की अवधि

जुर्माना, यदि कोई हो--

वसूल किया गया या न वसूल किया गया जुर्माना

5. सजा की तिथि

6. आवेदन की तिथि तक जेल में वास्तव में व्यतीत की गई अवधि वर्ष मास दिन

7 प्राप्त छूट वर्ष मास दिन

8. असमाप्त अवधि वर्ष मास दिन

9. रिहाई की संभाव्य तिथि

10. बन्दी की शरीरिक तथा मानसिक दशा

11. जेल में आचरण
अंतिम जेल अपराध की तिथि
(जेल में किए गए अपराध का ब्यौरा सलंग्न है)

12. तिथि जिसको अन्तिम पैरोल प्रदान की गई
तिथि जिसको अन्तिम पैरोल रद्द की गई

13. क्या बन्दी हर प्रकार से रिहाई के लिए पात्र है ?

14. जेल अधीक्षक की सिफारिशें

15. कोई अतिरिक्त कथन
इन्दराजों की वारंट के साथ
जांच पड़ताल की गई

दिनांक——————

अधीक्षक

केन्द्रीय/जिला जेल——————

प्ररुप क-2

[देखिए नियम-3 (1)]

(बन्दी या उसके परिवार के किसी व्यस्क सदस्य को बिना किसी प्रभार के सप्लाई करना)

बन्दी द्वारा हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988, की धारा 3 के अधीन अस्थाई रिहाई (फर्लो) के लिए जेल अधीक्षक को आवेदन।

(बन्दी या उसके परिवार के व्यस्क सदस्य द्वारा भरा जाना)

केन्द्रीय जेल ----------------------

जिला जेल ----------------------

1. बन्दी का नाम तथा संख्या
2. पिता का नाम
3. जाति
4. निवास स्थान गांव/मोहल्ला या नगर थाना जिला
5. रिहाई के लिए कारण

(आवेदक के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान)

बन्दी द्वारा घोषणा

मैं इस द्वारा घोषित करता हूं कि मैं हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988, की धारा 4 के अधीन अस्थाई (फर्लो) के रूप में रिहा होने के लिए प्रार्थना करता हूं तथा इस प्रकार रिहा हो जाने पर मैं मेरी रिहाई की शर्तों का सद्भावना से पालन करूंगा।

दिनांक————————— (आवेदक के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान)

(जेल अधीक्षक द्वारा भरा जाना)

आकस्मिक अभयस्त

पहली दोष सिद्धियां, यदि कोई हो—

1. बन्दी का नाम तथा संख्या
2. आयु वर्ष अपराध
3. सजा देने वाला न्यायालय

4. सजा की अवधि

जुर्माना, यदि कोई हो--

वसूल किया गया या न वसूल किया गया जुर्माना

5. सजा की तिथि

6. आवेदन पत्र की तिथि तक जेल में वास्तव में व्यतीत की गई अवधि .... वर्ष .... मास .... दिन

7 प्राप्त छूट वर्ष मास दिन

8. असमाप्त अवधि वर्ष मास दिन

9. रिहाई की संभाव्य तिथि

10. बन्दी की शरीरिक तथा मानसिक दशा लगातार प्राप्त किए गए ए०जी०सी०आर० की संख्या

11. जेल में आचरण
अंतिम जेल अपराध की तिथि
(जेल में किए गए अपराध का ब्यौरा साथ सलंग्न है)

12. तिथि जिसको अन्तिम फर्लो प्राप्त हुई
तिथि जिसको अन्तिम फर्लो रद्द की गई

13. क्या बन्दी हर प्रकार से रिहाई के लिए पात्र है ?

14. जेल अधीक्षक की सिफारिश

15. कोई अतिरिक्त कथन
इन्दराजों की वारंट के साथ
जांच पड़ताल की गई

दिनांक——————

अधीक्षक
केन्द्रीय/जिला जेल——————

प्ररूप-ग

[देखिए नियम 11 (1)(क)]

व्यक्तिगत बन्धपत्र

जिलाधीश ------------------- के न्यायालय में यह बन्धपत्र दिनांक ----------------- को मेरे द्वारा (बन्दी का नाम) ----------------------- किया गया है।

चूंकि हरियाणा के राज्यपाल (जिसे, इसमें, इसके बाद, "सरकार" के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई बन्दी) अधिनियम, 1988, की धारा ------------- के अधीन मेरी पैरोल/फर्लो पर ----------- सप्ताह/दिन ------------------ से ---------------- तक रिहाई मेरे द्वारा प्रस्तुत किये गये व्यक्तिगत बन्धपत्र तथा प्रतिभूति बन्धपत्र की शर्तों पर,--------------------- रुपये प्रत्येक की राशि के लिए नीचे विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन के लिए रिहाई के आदेश देते हैं :—

इसलिए अब, मैं इसके द्वारा, नीचे वर्णित सभी शर्तों को निष्ठापूर्वक मानने के लिए अपने आपको बाध्य करता हूं और इनमें से किसी भी शर्त की अनुपालना में व्यतिक्रम करने की दशा मे, मैं सरकार को ----------------- रुपए की राशि को समपहृत करवाने के लिए स्वयं वचनबद्ध हूँ।

1. मैं अपनी अस्थाई रिहाई की अवधि के दौरान गांव/कस्बा ------------------- तहसील --------------- --------------- जिला ----------------- में रहूंगा और जिलाधीश ----------------- की अनुमति प्राप्त किए बिना किसी स्थान पर नहीं जाऊंगा, जो रिहाई वांरट में विनिर्दिष्ट नहीं किया गया हो।

2. मैं अपनी अस्थाई रिहाई की अवधि के दौरान शान्ति रखूंगा तथा अच्छे आचरण को बनाये रखूंगा।

3. ---------------- सप्ताह/दिन की अवधि की समाप्ति पर जिसके लिए मुझे अस्थाई रूप से रिहा किया गया है मैं अधीक्षक -------------------- जेल को अपनी सजा के शेष भाग को भुगताने के लिए अपने आपको समर्पित करूंगा।

4. पैरोल/फर्लो पर मेरी रिहाई के समय मैं स्थान जहां मैं अपनी अस्थाई रिहाई जिस स्थान पर रहने की अवधि के दौरान रहने का इच्छुक हूँगा, के पूर्ण ब्यौरे जिलाधीश ------------------ को दूँगा और उक्त अवधि के दौरान मेरे निवास स्थान के किसी पश्चात्वर्ती परिवर्तन की सूचना सम्यक रूप से उसे दूँगा।

5. यदि मेरे द्वारा दिए गए जमानतियों में से कोई भी दिवालिया हो जाता है या मर जाता है तो मैं तुरंत नया जमानती प्रस्तुत कर दूँगा।

बन्दी के हस्ताक्षर या अगूँठा निशान

राज्यपाल, हरियाणा के निमित्त
और उसकी ओर से स्वीकृत

प्ररूप-घ

[देखिए नियम 11 (1)(क)]

प्रतिभूति बन्धपत्र

जिलाधीश --------------------------------------- के न्यायालय में यह बन्धपत्र दिनांक --------------- को --------------- (प्रथम जमानती) तथा --------------- (द्वितीय जमानती) (जिन्हें, इसमें, इसके बाद सामूहिक रूप से "जमानतियों" के रूप में निर्दिष्ट किया गया है)।

चूंकि हरियाणा के राज्यपाल (जिन्हें, इसमें, इसके बाद, "सरकार" के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) (जिन्हें, इसमें, इसके बाद "बन्दी" के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) को हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई बन्दी) अधिनियम, 1988, की धारा के --------------- अधीन से --------------- तक --------------- सप्ताह/दिन की अवधि के लिए पैरोल/फर्लो पर बन्दी को ऐसी शर्तों जिन पर बन्दी को अस्थाई रूप से रिहा किया गया है कि शर्तों का अनुपालन करने के लिए प्रत्येक --------------------- रुपये के बन्धपत्र के साथ-साथ प्रतिभूति बन्धपत्र के प्रस्तुत करने पर, रिहाई का आदेश देते हैं।

और चूंकि बन्दी ने दिनांक --------------------------------------- को उसमें विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन करने के लिए --------------- रुपये की राशि के लिए व्यक्तिगत बन्ध-पत्र का निष्पादन किया है।

इसलिए अब, जमानती संयुक्त रूप से या पृथक रूप से इसके द्वारा --------------- रुपये की राशि सरकार को समपहृत करने के लिए स्वयं को बाध्य करते हैं यदि बन्दी अपने व्यक्तिगत बन्ध-पत्र में विनिर्दिष्ट शर्तों में से किसी की अनुपालना करने में व्यक्तिक्रम करता है।

प्रथम जमानती के हस्ताक्षर

द्वितीय जमानती के हस्ताक्षर

राज्यपाल, हरियाणा के निमित्त
और उसकी ओर से स्वीकृत

प्ररुप-ड

[देखिए नियम 11 (1)(ख)]

हरियाणा सदाचार बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988 (1988 का 28), की धारा 3 या 4 के अधीन सशर्त रिहाई का प्रमाण-पत्र

हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 1988 (1988 का 28), की धारा------द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रिहाई प्राधिकारी ने इसमें, इसके पश्चात् घोषित शर्तों के अध्यधीन बन्दी------------------------ सुपुत्र श्री------------------------------------जाति------------------------आयु-------------- निवासी गांव--/थाना------------------------जिला------------------बन्दी संख्या ------------जो इस समय बारंट दिनांक------------------के अनुसरण में-------------दिन के लिए जेल में परिरुद्ध है की रिहाई के लिए निर्देश किए हैं।

उसे नीचे लिखे स्थानों पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट रूटों से जाने की अनुज्ञा दी गई है :—

----------------------से--------------------------तक वाया---------------------वापसी---------------- से------------के लिए-------------------वाया ----------- रिहा किये गये बन्दी द्वारा पालना की जाने वाली शर्तें :—

1. रिहा किया गया बन्दी तत्काल ------------------------- स्थान के लिए प्रस्थान करेगा।
2. वह --------------------- जेल में तिथि -------------------- को अपनी वापसी की रिपोर्ट देगा।
3. वह उन स्थानों से भिन्न किसी स्थान पर भी नहीं जाएगा, जिनके लिए उसे प्राधिकृत किया गया है।
4. वह अपनी अस्थाई रिहाई की अवधि के दौरान शान्ति बनाए रखेगा तथा अच्छा व्यवहार करेगा।
5. यदि रिहाई प्राधिकारी की राय में वह इन शर्तों में से किसी को भंग करता हुआ पाया जाता है तो वह उसके रिहाई वारंट रद्द कर सकता है तथा उसे पुन: जेल में दाखिल होने का निर्देश दे सकता है।

प्रमाणित किया जाता है कि अस्थायी रिहाई के उपर्युक्त आदेश में विनिर्दिष्ट शर्ते उक्त आदेश में नामित बन्दी को पढ़कर सुना दी गई है तथा उसे समझा दी गई है तथा कि उसने स्वीकार कर लिया है कि वह इन्हे समझता है तथा स्वीकार करता है कि वे शर्ते जिनके अधीन उसे उसकी सजा की अवधि की समाप्ति से पहले रिहा किया जाना है। मेरा विश्वास है कि वह इन्हें समझता है तथा स्वीकार करता है।

हस्ताक्षर

अधीक्षक

------------------- जेल ----------------

रिहाई/फर्लो पर बन्दी की अस्थाई रिहाई की तिथि—

पृ० क्रमांक------------------- दिनांक------------------

एक प्रति निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजी जाती है।

1 पुलिस अधीक्षक ----------------------

2 एस०एच०ओ० थाना ---------------- जिला ----------------

अधीक्षक

------------- जेल -------------

रिहाई प्राधिकारी के हस्ताक्षर

के० एस० भोरिया,

वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,

जेल विभाग।

31

[Authorised English Translation]

HARYANA GOVERNMENT

JAILS DEPARTMENT

Notification

The 18th December, 2007

No. S.O. 121/H.A. 28/1988/S. 10/2007.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 10 and read with sections 3 and 4 of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988 (Act 28 of 1988), the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the temporary release of prisoners, namely:—

Short title and commencement.

1. (1) These rules may be called the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions.

2. In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988 (Act 28 of 1988);

(b) "Director General" means Director General of Prisons, Haryana;

(c) "form" means a form appended to these rules;

(d) "parole" means temporary release of a convict;

(e) "releasing authority" means the State Government or such other authority to whom the powers of the State Government are delegated under sub-section (4) of section 3 of the Act;

(f) "section" means the section of the Act.

Procedure for temporary release. sections 3, 4, 10(1), 10(2), 10(2)(b), 10 (2) (d) and 10 (2) (e)

3. (1) A prisoner desirous of seeking temporary release under section 3 or section 4 of the Act, shall make an application in form A-1 or form A-2, as the case may be, to the Superintendent of Jail. An adult member of the prisoner's family may also make such an application.

(2) The Superintendent of Jail shall forward the application along with his report to the District Magistrate who shall forward the case with his recommendations to the Director General for grant of parole or otherwise. The releasing authority may issue to the Superintendent of Jail a duly signed and sealed warrant in Form-B ordering the temporary release of the prisoner specifying therein—

(i) the period of release;

(ii) the place or places which the prisoner is allowed to vis and

(iii) the amount of surety bond.

Eligibility. section 10(2)(d)

4. (1) A prisoner shall be entitled to apply for parole only aft he has completed one year of his imprisonment after conviction and has earne his first annual good conduct remission under the Act.

(2) A prisoner, who has been convicted and sentenced fo imprisonment less then four years, shall not be eligible for parole.

Ineligibility. sections 10(2)(d) and 10(2)(g)

5. No parole/furlough shall be granted to a prisoner who has bee sentenced to death penalty.

Extension. section 10(2)(d)

6. No parole/furlough shall be extended in any case, except a provided in the Act.

Convict of other State. section 10(2)(d)

7. (a) The parole/furlough case of convict of the State other tha Haryana State, who is undergoing imprisonment in Jail of Haryana o reciprocal basis or otherwise, shall be initiated by the Superintendent Jai and forwarded to the Director General of Prisons of that State, wherefrom h was convicted, for consideration/sanction/disposal as per their parole/furloug Act/rules.

(b) In case a prisoner who is convict of the State of Haryan and also a convict of the other State than Haryana and confined in the Jail o Haryana his parole/furlough case shall be decided by the Director General o Prisons/competent authority of the State wherefrom he has been convicte and sentenced for more serious/heinous crime.

(c) Parole/furlough case of a convict who is resident of othe State than Haryana but is a convict of the State of the Haryana parole/furloug case of that convict shall be initiated by the Superintendent of Jail an forwarded for sanction to the Director General with a copy to the concerne District Magistrate, where a prisoner wants to avail parole/furlough other tha Haryana State for seeking his report/recommendation.

Sufficient cause. sections 3(1)(d) and 10(2)(d)

8. Under section 3(1)(d) "sufficient cause" may be considered from amongst the following reasons, namely:—

(i) admission in school/colleges/professional institutions of the dependents of the convict;

(ii) medically scheduled delivery of wife of the convict;

(iii) house repairs/new construction of house owned by the convict. Parole for house repair shall be granted only once in three years;

23

(iv) marriage of prisoner's brother's son or daughter to be celebrated in case his brother is not alive.

Consequences of jail punishment. sections 10(2)(d) and 10 (2)(g)

9. The parole to the convict who has been awarded jail punishments by the Superintendent of Jail shall be granted in the following manner:—

(i) A convict who has been awarded a minor jail punishment as defined in para 630 of the Punjab Jail Manual, his parole case shall be initiated after six months from the date of punishment.

(ii) A convict who has been awarded a major jail punishment as defined in para 630 of the Punjab Jail Manual, his parole case shall be initiated after one year from the date of punishment.

Consequences of overstay. section 10(2)(d)

10. A convict, who does not surrender in jail on the due date and time after availing the granted parole/furlough his further parole/furlough shall be considered as under:—

(i) if the convict overstays 15 days of his parole/furlough, his parole/furlough case shall not be entertained by the Superintendent of Jail earlier than one year from the date of his surrender/arrest;

(ii) if the convict overstays 30 days or more of his parole/ furlough his case shall not be entertained by the Superintendent of Jail earlier than two years from the date of his surrender/arrest.

Bonds. sections 10(2)(a) and 10(2)(b)

11. (1) (a) On receipt of the release warrant, the Superintendent of Jail shall inform the prisoners concerned and such member of the prisoner's family as prisoner may specify in that behalf for making arrangements for the execution of the personal bond and surety bond in Form-C and D respectively for securing the release. A copy of the release warrant shall also be sent by the Superintendent of Jail to the District Magistrate.

(b) The Superintendent of Jail shall also immediately forward to the Officer-Incharge of the police station within whose jurisdiction the place or places to be visited by the prisoners is or are situated, a copy of the warrant and release certificate in Form-E. The Officer Incharge of the Police Station shall keep a watch of the conduct and activities of the Prisoners.

(2) (a) In case of convicts of offences of murder, rape, rape with murder, murder for dowry, dacoity and the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985(61 of 1985) or any other heinous crime surety shall be from one lac rupees to two lac rupees as per discretion of the releasing authority accepting the surety bonds etc.

29

(b) In other cases surety shall be from 'twenty thousand rupees to one lac rupees as per the discretion of the releasing authority accepting the surety bond etc.

(3) Under section 3(2)(b) a convict shall be granted parole only for once either under section 3(1)(b) or section 3(1)(d) and not for both separately during the calendar year except as provided under rule 8 as above.

2.5

FORM A-1

[See rule 3(1)]

(To be supplied to a prisoner or any adult member of family free of charge)

Application by the prisoner to the Superintendent of Jail for temporary release (parole) under section 3 of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988.

(To be filled in by the prisoner or an adult member of his family)

Central Jail ____________

District Jail ____________

1. No. and name of the prisoner :
2. Father's Name :
3. Caste :
4. Residence, Village/Mohalla or Town/Police Station/ District :
5. Reasons for release :

(Signature or thumb impression of the applicant).

DECLARATION BY THE PRISONER

I hereby declare that I request to be released temporarily (parole) under section 3 of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988, and on being so released shall faithfully comply with the conditions of my release.

(Signature or thumb impression of the applicant).

(To be filled in by the Superintendent of Jail) Casual/Habitual-Number of previous convictions, if any—

1. Number and name of the prisoner
2. Age Years Offence
3. Sentencing Court
4. Period of sentence
   Fine if any-
   Fine, realized or not

5. Date of sentence
6. Period actually spent in Jail upto the date of application Year Months Days
7. Remission earned Year Months Days
8. Unexpired period Year Months Days
9. Probable date of release
10. Physical and mental condition of the prisoner
11. Conduct in Jail
    Date of last jail offence
    (Details of offence committed in jail are enclosed)
12. Date when parole was last granted
    Date when parole was last rejected
13. Is the prisoner eligible for release in every respect ?
14. Superintendent of Jails recommendations
15. Any additional remarks

Entries checked with warrant

Dated

Superintendent
Central/District Jail________

FORM A-2

[See rule 3(1)]

(To be supplied to a prisoner or any adult member of family free of charge)

Application by the prisoner to the Superintendent of Jail for temporary release (furlough) under section 4 of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988.

(To be filled in by the prisoner or an adult member of his family)

Central Jail ____________________

District Jail ____________________

1. No. and name of the prisoner :
2. Father's Name :
3. Caste :
4. Residence, Village/Mohalla or Town/Police Station/ District :
5. Reasons for release :

(Signature or thumb impression of the applicant).

DECLARATION BY THE PRISONER

I hereby declare that I request to be released temporarily (furlough) under section 4 of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988, and on being so released shall faithfully comply with the conditions of my release.

(Signature or thumb impression of the applicant).

(To be filled in by the Superintendent of Jail) Casual/Habitual-Number of previous convictions, if any—

1. Number and name of the prisoner
2. Age Years Offence
3. Sentencing Court
4. Period of sentence
   Fine if any-
   Fine, realized or not

5. Date of sentence

6. Period actually spent in Jail upto the date of application — Year Months Days

7. Remission earned — Year Months Days

8. Unexpired period — Year Months Days

9. Probable date of release

10. Physical and mental condition of the prisoner — Number of consecutive A.G.C.R's earned

11. Conduct in Jail

Date of last jail offence

(Details of offence committed in jail are enclosed)

12. Date when furlough was last granted

Date when furlough was last rejected

13. Is the prisoner eligible for release in every respect ?

14. Superintendent of Jails recommendations

15. Any additional remarks

Entries checked with warrant

Dated

Superintendent

Central/District Jail__________

FORM-B

[See rule 3(2)]

Warrant for the temporary release of prisoners under section 3 or 4 of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988.

Whereas ______________________ at present confined in __________ Jail __________ ______under warrant dated the __________ day of __________ signed by __________ has applied for his temporary release:—

And whereas the releasing authority is satisfied that the applicant is entitled to be released under the Act;

Now, therefore, release authority hereby authorizes the temporary release of the said prisoner from custody for a period of __________ weeks subject to the conditions specified below:—

(1) The prisoner shall during the period of his temporary release reside at Village ______________________________ District______________________. He shall not without obtaining the prior permission of District Magistrate visit any place not specified in the release warrant during the said period.

(2) At the time of his release on the __________ the prisoner shall give to the District Magistrate __________ full particulars of the place where he intends to reside during the period of temporary release and shall keep the District Magistrate informed of any subsequent changes of his residence during the said period.

(3) The prisoner shall during the period of temporary release keep peace and maintain good behaviour.

(4) At the expiry of the said period of __________ weeks for which the prisoner has been temporary released the said prisoner __________ son of __________ shall surrender himself to the Superintendent of the jail from which he is so released to undergo the unexpired portion of his sentence.

(5) The prisoner shall. before his release on __________ furnish to the satisfaction of the District Magistrate __________ bond and two sureties in the sum of __________ Rs. __________ (each) for faithfully observance of the conditions specified in the release warrant.

(6) When the surety furnished becomes insolvent or dies the Government may order the prisoner to furnish fresh surety immediately and if such surety is not furnished, the Government may proceed as if there had been a non-compliance of the conditions of this order.

(7) In addition to the action under sub-sections (2) and (3) of section 8 of the said Act, the amount of the bond shall stand forfeited to Haryana Government in case any condition of the bond is in the opinion of the Government not fulfilled.

Given under my hand this ______________ day of ____________

SEAL
REGISTERED

Signature of Releasing Authority

Endst. No. GI/G Dated

A copy is forwarded to :—

(1) The Superintendent ______________ Jail ____________

(2) The District Magistrate ________________________ for execution and necessary action.

Signature of Releasing Authority

I ______________________________ son of ________________ hereby acknowledge receipt of the above warrant and understand the conditions specified in the above warrant of release and I accept them.

Signature or Thumb Impression
of the Prisoner.

FORM-C

[See rule 11(l)(a)]

Personal Bond

In the Court of the District Magistrate ____________________

This Bond is made on the ______________ by me ______________ (name of the prisoner).

Whereas the Governor of Haryana (hereinafter referred to as "the Government"), is pleased to order my release on parole/furlough for a period of ______________ weeks/days commencing from ______________ and ending on ______________ under section ______________ of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988, on the condition of my furnishing a personal bond and a surety bond, each for a sum of Rs. ______________, to observe the conditions specified below :—

Now, therefore, I do hereby bind myself to faithfully observe all the conditions mentioned here below and in case of my making default in observing any of them, I bind myself to forfeit to the Government the sum of Rs. ______________.

(1) I shall during the period of my temporary release reside at village/town ______________ tehsil ______________ district ______________ and shall not without obtaining the permission of the District Magistrate ______________ visit any place not specified in the release warrant.

(2) I shall during the period of my temporary release keep peace and maintain good behaviour.

(3) At the expiry of the period of ______________ weeks/days for which I have been temporarily released I shall surrender myself to the Superintendent Jail ______________ to undergo the unexpired portion of my sentence.

(4) At the time of my release on parole/furlough I shall give to the District Magistrate ______________ full particulars of the place where I intend to reside during the period of my temporary release and shall keep him duly informed of any subsequent change of my residence during the said period.

(5) In case any of my sureties becomes insolvent or dies, I shall furnish fresh surety immediately.

Signature or thumb Impression
of the prisoner.

Accepted for and on behalf of the
Governor of Haryana.

____

FORM-D

[See rule 11(1)(a)]

Surety Bond

In the Court of the District Magistrate ____________

This Bond is made on the ____________ by ____________ (1st surety) and ____________ (2nd surety) (hereinafter collectively referred to as the "sureties").

Whereas the Governor of Haryana (hereinafter referred to as "the Government"), is pleased to order the release of ____________ ____________ (hereinafter referred to as the "prisoner") on parole/furlough for a period of ____________ weeks/days commencing from ____________ and ending on ____________ under section ____________ of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988, on the condition of the prisoner furnishing a bond as well as a surety bond, each for the sum of Rs. ____________ to observe the conditions on which the prisoner has been temporarily released;

And whereas the prisoner has on ____________ executed a personal bond for the sum of Rs. ____________ to observe the conditions specified therein.

Now, therefore, the sureties jointly and severally do hereby bind themselves to forfeit to Government the sum of Rs. ____________ in case the prisoner makes a default in observing any of the conditions specified in his personal bond.

Signature of the first surety.

Accepted for and on
behalf of the Governor of Haryana
Governor of Haryana

Signature of the second surety.

33 *HS*

FORM-E

[See rule 11(1)(b)]

Certificate of conditional release under section 3 or 4 of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988.

In exercise of the powers conferred by section ____________________ ____________________ of the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 1988, the releasing authority has, subject to the conditions hereinafter set forth, directed, the release of prisoner ____________________ son of ____________________ ____________________, caste __________ age __________ resident of village ____________________ police station ____________________, district ____________________, prisoner number __________ at present confined in the jail for __________ days in pursuance of warrant, dated __________. He has been permitted to visit the below noted places following the specified route:—

Proceed from ____________________ to ____________________

or ____________________ via ____________________

return from ____________________ to ____________________

or ____________________ via ____________________ Conditions to be observed by the released prisoners :—

1. The released prisoner shall proceed forthwith to ____________________
2. He shall report back to ____________________ Jail ____________________ on ____________________
3. He shall not proceed to any place, other than those he has been authorised to visit.
4. He shall keep peace and maintain good behaviour during the period of his temporary release.
5. If in the opinion of the releasing authority he is found to have committed a breach of any of these conditions, it may cancel his release warrant and direct his re-admission to jail.

Superintendent,
__________ Jail __________.

Certified that the conditions specified in the above order of temporary release have been read over and explained to the prisoner named on the said order and that he has acknowledge that he understands and accepts the same as the conditions under which he is to be released before the expiry of the term of his sentence. I believe that he understands and accepts them.

Superintendent,
_______ Jail _______.

Date of temporary release of the prisoner on parole/furlough _______.

No. _______________ dated _______________

Copy forwarded to:—

(1) The Superintendent of Police _______________.

(2) S.H.O., Police Station _______________, District _______________ for information and necessary action.

Superintendent,
_______ Jail _______.

K. S. BHORIA,
Financial Commissioner and Principal Secretary to Government Haryana, Jails Department.